Central Sanskrit University

Shri Raghunath Kirti Campus

Devprayag, District Pauri Garhwal , Uttrakhand

Two-Days National Seminar

On

" Reviving the Gurukul System for the Preservation of Shastra-Based Education: In the Light of the National Education Policy 2020 "

" शास्त्राधारित शिक्षा परंपरा के संरक्षण हेतु गुरुकुल प्रणाली के पुनरुत्थान की आवश्यकता : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में "

(शास्त्राधारित-शिक्षापरंपरायाः संरक्षणाय गुरुकुलप्रणाल्याः पुनरुत्थानस्य आवश्यकता : राष्ट्रीय-शिक्षानीतिः २०२० इत्यस्य सन्दर्भे)

Blended Mode

09-10, August , 2025

CLICK HERE FOR REGISTRATION

Last date = 05.08.2025

वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

विकसित भारत अभियान 1947 TO 2047

CHIEF PATRON

Prof . Shrinivasa Verkhedi
Honourable Vice chancellor
Central Sanskrit University
New Delhi

Guidance

PROF. P.V.B. SUBRAHMANYAM
DIRECTOR
C. S.U. Shri Raghunath Kirti Campus
DEVPRAYAG

ABOUT THE TITLE

भारत की शिक्षात्मक परंपरा अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और जीवन के विभिन्न पहलुओं को स्पर्श करने वाली रही है। विशेष रूप से शास्त्रशिक्षण परंपरा ने भारतीय समाज को नैतिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक दृष्टि से समृद्ध किया। इस परंपरा का केंद्रबिंदु रहा है "गुरुकुल" – एक ऐसा स्थान जहाँ शिक्षा केवल ज्ञानार्जन नहीं थी, बल्कि जीवन निर्माण की प्रक्रिया थी।

Unfortunately, with the advent of colonial education and western academic models, this deeply rooted tradition suffered a steady decline. But now, the National Education Policy 2020 (NEP 2020) provides a renewed hope for reviving and integrating the Gurukul system into India's mainstream education.

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

शास्त्र केवल ग्रंथ नहीं हैं; वे भारतीय संस्कृति, दर्शन, नीति, धर्म, आयुर्वेद, ज्योतिष, तर्कशास्त्र आदि का समग्र ज्ञान प्रदान करते हैं। इनकी शिक्षा जीवन को दिशा, दृष्टि और दृष्टिकोण देती है। परंतु शास्त्रों की शिक्षण पद्धति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना उनका विषयवस्तु।

Gurukuls were not just schools—they were life centers where values like discipline, humility, service, and spiritual practice were inculcated through the sacred guru-shishya parampara. The holistic development offered in Gurukuls is unmatched by the compartmentalized model of today's education.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा (Indian Knowledge Systems – IKS), संस्कृत, योग, नैतिक शिक्षा और मूल्य आधारित शिक्षण पर विशेष बल दिया गया है। यह नीति गुरुकुलों को केवल "सांस्कृतिक प्रतीक" नहीं बल्कि *एक सशक्त शैक्षिक विकल्प* के रूप में पुनर्स्थापित करने की संभावनाओं को सशक्त करती है।

NEP 2020 encourages multilingual education, skill integration, and respect for traditional wisdom — all of which align perfectly with the essence of Gurukul learning. This opens the doors to recognize Gurukuls formally, reform their pedagogy, and align them with modern accreditation systems like UGC and NAAC.

वर्तमान समय में शास्त्रशिक्षा को कई चुनौतियाँ हैं – जैसे छात्रों की उदासीनता, तकनीकी ज्ञान की कमी, रोजगार की अनिश्चितता और गुरुकुलों को संसाधन या मान्यता न मिलना।

There is also a digital disconnect, lack of standardized curriculum, and very few trained teachers who can balance scriptural purity with modern relevance. To address these, there is a pressing need for reforms — including the development of digital Gurukuls, internship and research-based Shastra learning, inclusion of contemporary subjects alongside Shastras, and translation of texts into Indian and global languages.

गुरुकुलों को केवल धार्मिक संस्थान नहीं, बल्कि शास्त्रों के संरक्षण, प्रचार और अनुप्रयोग का केंद्र बनाना समय की आवश्यकता है।

When aligned with modern tools like AI, e-learning platforms, and interdisciplinary pedagogy, Gurukuls can emerge as innovative models of timeless education.

इससे न केवल शास्त्रों की परंपरा बचेगी, बल्कि विद्यार्थियों में भारतीयता, आत्मविश्वास, और विश्व दृष्टिकोण भी विकसित होगा।

अतः निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि *गुरुकुलों की पुनर्स्थापना और उन्नयन* शास्त्रशिक्षण परंपरा के संरक्षण हेतु अनिवार्य है। NEP 2020 ने इस दिशा में एक स्पष्ट मार्ग प्रशस्त किया है, जिसे साहस, नीति और नवाचार से आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

The time has come to reimagine Gurukuls not as relics of the past, but as beacons for India's educational and cultural future.

गुरुकुल न केवल भारत की शैक्षिक आत्मा हैं, बल्कि वे एक ऐसे समग्र और मूल्यनिष्ठ समाज के निर्माण का माध्यम भी हैं जिसकी आज दुनिया को आवश्यकता है।

About the Campus : परिसर के बारे में

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) की स्थापना 16 जून, 2016 को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तहत संसदीय अधिनियम द्वारा देवप्रयाग, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड में की गई थी। परिसर का नाम प्रसिद्ध देवता श्री रघुनाथजी के नाम पर रखा गया है, जिनके प्राचीन रघुनाथ मंदिर में मंदिर का निर्माण पहाड़ों के कत्यूरी राजवंश की शैली में, दो महत्वपूर्ण पौराणिक नदियों, भागीरथी और अलकनंदा के पवित्र संगम के पास किया गया था, जहाँ गंगा नदी का उद्गम माना जाता है।

उत्तराखंड सांस्कृतिक और लोकप्रिय रूप से देवभूमि या दिव्य भूमि के रूप में जाना जाता है क्योंकि यह न केवल श्री बद्रीनाथ नामक प्रसिद्ध ज्योतिर्मठ से सुशोभित है, बल्कि बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक, श्री केदारनाथ से भी सुशोभित है। गंगा और यमुना, दो वैदिक, पौराणिक नदियाँ उत्तराखंड के देवतामा हिमालय से निकलती हैं। स्कंदपुराण के केदारखंड के अनुसार, इस पवित्र स्थान पर ऋषि श्री देव शर्मा द्वारा की गई कठोर तपस्या के कारण इसका नाम देवप्रयाग पड़ा। यह पंच प्रयागों में से एक है जहाँ अलकनंदा और भागीरथी नदियाँ मिलती हैं और गंगा नदी बन जाती हैं। देवप्रयाग शहर तीन पर्वत श्रृंखलाओं से घिरा हुआ है, जिनका नाम है गृद्धांचला, दशरथंचला और नृसिंहंचला, जिनमें से बाद वाला उत्तराखंड राज्य में शिक्षा के केंद्र के रूप में प्रसिद्ध था, जिससे इसे विद्याक्षेत्रम का नाम मिला। उत्तराखंड भारत का एकमात्र राज्य है जहाँ संस्कृत आधिकारिक दूसरी भाषा है।

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर 9.228 हेक्टेयर (23 एकड़) के क्षेत्र में फैला हुआ है। सीपीडब्ल्यूडी, श्रीनगर शाखा को लेआउट योजना सौंपी गई है और इसने शैक्षणिक, प्रशासनिक और आवासीय (लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, गेस्ट हाउस और स्टाफ क्वार्टर) ब्लॉकों के विभिन्न परिसर भवनों के निर्माण कार्य का 90% पूरा कर लिया है। लगभग 500 छात्रों को पहले ही प्राक्-शास्त्री, शास्त्री, आचार्य और पीएचडी स्तर की विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश दिया जा चुका है और उन्हें व्याकरण, साहित्य आदि जैसे विभिन्न विषयों के पारंगत शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जा रहा है। हिंदी, अंग्रेजी, इतिहास, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा जैसे आधुनिक विषय भी पढ़ाए जा रहे हैं। परिसर राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और व्यापक व्याख्यानों का भी आयोजन करता है।

एक पहल के रूप में, परिसर ने मौखिक संस्कृत का एक अनौपचारिक पाठ्यक्रम शुरू किया है ताकि छात्रों द्वारा बोली जाने वाली संस्कृत के प्रवाह को बेहतर बनाया जा सके। परिसर के पुस्तकालय में भौतिक और डिजिटल दोनों रूपों में 18000 से अधिक पुस्तकें और पांडुलिपियाँ हैं। निकट भविष्य में एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (देवभूमिसौरभम्) प्रकाशित करने का प्रस्ताव है।

Shri Raghunath Kirti Campus, Central Sanskrit University (formerly Rashtriya Sanskrit Sansthan, Deemed to be University) was established on 16th June, 2016, at Devaprayag, Pauri Garhwal, Uttarakhand, by a Parliamentary act under the Ministry of Education, Government of India. The Campus is named after the famous deity ShriRaghunathajiwhose Shrine in the ancient Raghunatha Temple, was constructed in the style of Katyuri Dynasty of the Mountains, near the holy confluence of the two important mythological rivers, Bhāgirathi and Alaknandā, where the river Gaṅgā is believed to be originated.

Uttarakhand is culturally and popularly known as Devabhūmi or Divine Land as it is not only adorned with one of the famous Jyotirmaṭhas called ShriBadrinātha, but also with one of the twelve Jyotirliṇgas, namely, ShriKedārnāth. Gaṅgā and Yamunā, the two Vedic, mythological rivers originate in the Devatamā (Divine Soul) Himālaya of Uttarakhand. According to Kedarkhaṇḍa of the SkandaPurāṇa, the name Devaprāyag came about, due to the severe penance, sage Shri Deva Sharma underwent in this auspicious place. It is one of the PañchaPrayāga where rivers Alaknandā& Bhāgirathi meet and become river Gaṅgā. The city of Devaprayag is surrounded by three mountain series namely, Griddhanchala, Dasharathanchala and Nrisimhanchala, the latter of which was famous as the Centre for Learning in the state of Uttarakhand, earning it the name of Vidyakṣetram. Uttarakhand is the only state in India where Sanskrit is the official Second Language.

Shri Raghunath Kirti Campus encompasses an area of 9.228 hectares (23 acres). The CPWD, Sri Nagar branch, is assigned with the layout plan and has already

completed 90% of the construction work of various campus buildings of Academic, Administrative and Residential (Boys' and Girls' Hostels, Guest House and Staff Quarters) blocks. Around 500 students have already been admitted to various classes of Prak-Shastri, Shastri, Acharya& Ph.D. levels and are being taught by versed well teachers of different disciplines like Vyākarana, Sāhityaetc. Modern subjects such as Hindi, English, History, Computer Science and Physical Education are also being taught. The Campus also organisesNational/International Seminars, Workshops, Symposia and Extensive Lectures.

As an initiative, the Campus has undertaken a Non-formal course of Spoken Sanskrit so as to improve the fluency of Sanskrit being spoken by the students. The Campus Library holds more than 18000 Books and Manuscripts in both Physical and Digital form. An annual International Research Journal **(Devabhumisaurabham)** is under proposal to be published in the near future.

Concept Note संकल्पनात्मक टिप्पणी

भारत की प्राचीन शिक्षा प्रणाली में 'गुरुकुल' पद्धति एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखती है। यह केवल ज्ञानार्जन का केंद्र नहीं थी, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व विकास, नैतिकता, आत्मसंयम, संस्कृति एवं शास्त्रीय परंपराओं के संरक्षण का माध्यम भी थी। परंतु, औपनिवेशिक शिक्षा प्रणाली के प्रभाव तथा आधुनिक भौतिकवादी दृष्टिकोण के कारण गुरुकुल प्रणाली का क्षरण हुआ।

वर्तमान में जब **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** भारतीयता, समग्रता, जड़ों से जुड़ी शिक्षा, और बहुभाषिकता की बात करती है, तब यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि गुरुकुलों के महत्व को पुनः स्थापित किया जाए और **शास्त्र-शिक्षण परंपरा** को संरक्षित करने हेतु उनका पुनरुद्धार किया जाए। भारत की शिक्षा परंपरा में गुरुकुल एक आदर्श शिक्षण प्रणाली के रूप में विकसित हुए थे, जहाँ जीवन-मूल्यों, शास्त्रों, योग, और आचार-संहिता का समग्र प्रशिक्षण दिया जाता था। समय के साथ यह प्रणाली उपेक्षित होती गई। परंतु आज जब **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** भारतीय ज्ञान परंपराओं को पुनः प्रतिष्ठित करने की दिशा में कार्यरत है, तब गुरुकुल पद्धति की प्रासंगिकता और आवश्यकता पुनः केंद्र में आ गई है।

यह संगोष्ठी इस विचार को केंद्र में रखती है कि **गुरुकुल शिक्षा प्रणाली शास्त्रों की सततता, भाषा, संस्कृति और जीवनशैली के संरक्षण में एक आधारशिला के रूप में कार्य कर सकती है।** आधुनिक समय में इसे कैसे पुनर्जीवित किया जाए, इस पर मंथन ही इस संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य है।

Objectives of the seminar-संगोष्ठी का उद्देश्य:

- शास्त्र-शिक्षा की परंपरा में गुरुकुलों की ऐतिहासिक भूमिका का मूल्यांकन
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के परिप्रेक्ष्य में गुरुकुलों की पुनर्परिभाषा

- गुरुकुल शिक्षा एवं आधुनिक शिक्षा प्रणाली में समन्वय के उपाय
- गुरुकुलों के पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण एवं अधोसंरचना संबंधी संभावनाएँ
- नीति-निर्माण हेतु व्यवहारिक सुझावों का संकलन
- गुरुकुल पद्धति का मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक पक्ष
- डिजिटल युग में गुरुकुलों की संभावनाएँ
- पाठ्यक्रम, मूल्यांकन और गुणवत्ता सुधार के उपाय
- गुरुकुलों में नैतिक, आध्यात्मिक व जीवन-मूल्य आधारित शिक्षा

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य विद्वानों, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं, शोधार्थियों एवं गुरुकुल-प्रमुखों को एक मंच प्रदान करना है, जिससे वे विचार-विमर्श कर सकें:

1. गुरुकुल प्रणाली की मूल संरचना एवं विशेषताओं पर।
2. शास्त्र शिक्षा में गुरुकुलों की भूमिका।
3. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में गुरुकुलों की संभावनाएं।
4. पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा पद्धतियों का समन्वय कैसे संभव हो ?
5. शास्त्रों की आधुनिक संदर्भ में पुनर्परिभाषा।
6. गुरुकुलों के लिए नीति, संरचना एवं संसाधनों की आवश्यकता।

प्रमुख उप-विषय (Sub-Themes)

- वेद, वेदांग, दर्शन, न्याय, व्याकरण, मीमांसा आदि शास्त्रों की शिक्षा में गुरुकुलों का योगदान।
- भारत की शिक्षा परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक तुलनात्मक अध्ययन।
- डिजिटल युग में शास्त्र शिक्षा की चुनौतियाँ एवं समाधान।
- गुरुकुल-आधारित शिक्षा और 21वीं सदी के मूल्य।
- संस्कृत भाषा और गुरुकुल परंपरा का पुनरुद्धार।
- गुरुकुलों में विद्यार्थियों का व्यक्तित्व विकास: व्यवहार, संस्कृति एवं आध्यात्मिकता।
- गुरुकुलों के लिए पाठ्यक्रम, मूल्यांकन एवं अधोसंरचना विकास के उपाय।
- गुरुकुलों में शास्त्र-शिक्षण की पारंपरिक पद्धति
- आधुनिक समाज में गुरुकुलों की प्रासंगिकता
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और भारतीय ज्ञान प्रणाली

Participants: प्रतिभागी:

इस संगोष्ठी में निम्नलिखित वर्गों की भागीदारी अपेक्षित है:

- संस्कृत एवं शास्त्र के विद्वान
- शिक्षा नीति विशेषज्ञ
- गुरुकुल आचार्यगण
- शोधार्थी एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी

- परंपरागत ज्ञान प्रणाली से जुड़े संस्थान एवं व्यक्ति

collabration : सहयोग

- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग में सद्विद्या प्रतिष्ठान नोएडा, ग्लोबल संस्कृत फोरम नई दिल्ली, संस्कृत संस्कृति विकास संस्थान उत्तराखंड प्रांत के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 9 एवं 10 अगस्त 2025 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी " **शास्त्राधारित शिक्षा परंपरा के संरक्षण हेतु गुरुकुल प्रणाली के पुनरुत्थान की आवश्यकता : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में** " विषय पर आयोजित की जानी है। इस अवसर पर देवप्रयाग के संगम स्थल पर श्रावणी उपाकर्म एवं गुरुकुल दीक्षा आरंभ कार्यक्रम आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

- A two-day national seminar is to be organized on the topic " Reviving the Gurukul System for the Preservation of Shastra-Based Education: In the Light of the National Education Policy 2020" on 9th and 10th August 2025 at Central Sanskrit University Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag under the joint aegis of Sadvidya Pratishthan , Global Sanskrit Forum New Delhi, Sanskrit sanskriti vikash Sansthan Uttarakhand Province. On this occasion, it is proposed to organize Shravani Upkarma and Gurukul Diksha Aarambh program at the Sangam Sthal of Devprayag.

List of Research Paper Topics to be presented by participants

शास्त्रशिक्षण परंपरा संरक्षण हेतु गुरुकुलों की आवश्यकता : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में विषयक **राष्ट्रीय संगोष्ठी** के लिए **शोध-पत्र विषयों** (Research Paper Topics) की **द्विभाषीय सूची**

◆ A. गुरुकुल पद्धति: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य / Historical Perspective of Gurukul System

1. गुरुकुल शिक्षा प्रणाली: एक ऐतिहासिक अवलोकन
   Gurukul Education System: A Historical Overview
2. वैदिक कालीन शिक्षा पद्धति का पुनरावलोकन
   Revisiting the Vedic Educational System
3. महर्षि दयानंद और आधुनिक गुरुकुलों का आरंभ
   Maharshi Dayanand and the Revival of Gurukuls
4. तक्षशिला और नालंदा की परंपरा बनाम आज के गुरुकुल
   Tradition of Takshashila and Nalanda vs. Modern Gurukuls
5. उपनिषदों में शिक्षा-दर्शन
   Philosophy of Education in the Upanishads

वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE
स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर
विकसित भारत अभियान 1947 TO 2047

◆ B. शास्त्र शिक्षा की भूमिका / Role of Shastra Education

6. न्यायशास्त्र की आधुनिक शिक्षा में प्रासंगिकता
   Relevance of Nyaya Shastra in Modern Education
7. व्याकरण और संस्कृत भाषा की भूमिका
   Role of Vyakarana and Sanskrit Language
8. मीमांसा के तर्कशास्त्र का समकालीन विश्लेषण
   Contemporary Analysis of Mimamsa Logic
9. वेद और धर्मशास्त्र की शैक्षिक उपयोगिता
   Educational Utility of Vedas and Dharmashastra
10. वेदांगों का जीवन निर्माण में योगदान
    Contribution of Vedangas in Character Building

◆ C. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में गुरुकुलों का स्थान / Gurukuls in NEP 2020

11. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और पारंपरिक शिक्षा
    NEP 2020 and Traditional Education
12. NEP 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणाली का समावेश
    Inclusion of Indian Knowledge Systems in NEP 2020
13. गुरुकुलों को मुख्यधारा से जोड़ने के उपाय
    Integrating Gurukuls with Mainstream Education
14. NEP के आलोक में शास्त्रशिक्षण का पुनर्गठन
    Restructuring Shastra Education in the Light of NEP
15. नई शिक्षा नीति में गुरुकुलों के लिए संभावनाएँ
    Opportunities for Gurukuls under NEP 2020

◆ D. समकालीन चुनौतियाँ / Contemporary Challenges

16. गुरुकुलों में तकनीकी शिक्षा का अभाव
    Lack of Technological Education in Gurukuls
17. गुरुकुल शिक्षा बनाम आधुनिक पठन पद्धति
    Gurukul Education vs. Modern Pedagogy
18. शास्त्रशिक्षण में रोजगार की संभावनाएँ
    Employment Opportunities in Shastra Studies
19. गुरुकुलों के लिए मान्यता और मूल्यांकन नीति
    Accreditation and Evaluation Policies for Gurukuls
20. डिजिटल युग में शास्त्र शिक्षा की चुनौतियाँ
    Challenges to Shastra Education in the Digital Age

◆ E. गुरुकुलों की संरचना व पाठ्यक्रम / Structure & Curriculum of Gurukuls

21. गुरुकुलों के लिए आदर्श पाठ्यक्रम संरचना
    Ideal Curriculum Structure for Gurukuls
22. मूल्य-आधारित शिक्षा का विकास
    Development of Value-Based Education

23. गुरुकुल शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकता
    Need for Teacher Training in Gurukuls
24. पाठ्यचर्या में योग और आयुर्वेद का समावेश
    Incorporation of Yoga and Ayurveda in Curriculum
25. गुरुकुल शिक्षा में समकालीन विषयों का समावेश
    Integration of Contemporary Subjects in Gurukul Education

◆ F. गुरु-शिष्य परंपरा / Guru-Shishya Tradition

26. गुरु-शिष्य परंपरा की वर्तमान प्रासंगिकता
    Contemporary Relevance of Guru-Shishya Tradition
27. मनोवैज्ञानिक दृष्टि से गुरु-शिष्य संबंध
    Psychological Aspects of Guru-Shishya Relationship
28. गुरुकुलों में अनुशासन और आत्मसंयम
    Discipline and Self-Restraint in Gurukuls
29. गुरु की भूमिका: एक प्रेरक जीवनशैली
    Role of the Guru: An Inspirational Lifestyle
30. गुरुकुलों में नेतृत्व कौशल का विकास
    Leadership Development in Gurukuls

◆ G. भारतीय संस्कृति और गुरुकुल / Culture and Gurukul System

31. गुरुकुलों के माध्यम से सांस्कृतिक पुनरुत्थान
    Cultural Renaissance through Gurukuls
32. संस्कार और संस्कृति का संचार
    Transmission of Values and Culture
33. गुरुकुलों में नाट्य, संगीत और कला की शिक्षा
    Performing Arts in Gurukul Education
34. गुरुकुल प्रणाली और पर्यावरण संरक्षण
    Gurukuls and Environmental Awareness
35. भारतीय जीवन शैली और गुरुकुल जीवन
    Indian Lifestyle and Gurukul Living

◆ H. आधुनिक संदर्भ में नवाचार / Innovations in Modern Context

36. डिजिटल गुरुकुल: एक नवाचारी पहल
    Digital Gurukul: An Innovative Initiative
37. शास्त्रों के शिक्षण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका
    Role of AI in Teaching Shastras
38. ऑनलाइन गुरुकुल शिक्षा की संभावनाएँ
    Possibilities of Online Gurukul Education
39. आधुनिक प्रबंधन प्रणाली में शास्त्र शिक्षा
    Shastra Education in Modern Management Systems
40. शास्त्रों का वैज्ञानिक विश्लेषण
    Scientific Interpretation of Shastras

◆ I. तुलनात्मक अध्ययन / Comparative Studies

41. प्राचीन भारतीय और पश्चिमी शिक्षा प्रणाली का तुलनात्मक अध्ययन
    Comparative Study of Ancient Indian and Western Education
42. वेदांत बनाम आधुनिक दर्शन
    Vedanta vs. Modern Philosophy
43. गुरुकुल बनाम कॉन्वेंट शिक्षा
    Gurukul vs. Convent Schooling
44. प्राचीन तर्कशास्त्र बनाम आधुनिक लॉजिक
    Ancient Logic vs. Modern Logic
45. गुरुकुल और मदरसा प्रणाली: एक तुलनात्मक विश्लेषण
    Gurukul and Madrasa System: A Comparative Analysis

◆ J. केस स्टडी / Case Studies

46. आधुनिक सफल गुरुकुलों की केस स्टडी
    Case Study of Successful Modern Gurukuls
47. केरल/उत्तराखंड/काशी के गुरुकुलों का अध्ययन
    Study of Gurukuls in Kerala/Uttarakhand/Kashi
48. चतुर्वेदी गुरुकुलों की परंपरा
    Tradition of Chaturvedi Gurukuls
49. आधुनिक विश्वविद्यालयों में शास्त्र शिक्षा की स्थिति
    Status of Shastra Education in Modern Universities
50. गुरुकुल शिक्षा के आधार पर जीवन में हुए परिवर्तन
    Transformation through Gurukul-Based Education

Other suggested topics for the seminar (**अन्य सुझाए गए विषय**)

1. गुरुकुल प्रणाली का ऐतिहासिक विकास
   Historical Evolution of the Gurukul System
2. वैदिक कालीन शिक्षा व्यवस्था
   Vedic Period Education System
3. नालंदा, तक्षशिला और प्राचीन विश्वविद्यालय
   Nalanda, Takshashila and Ancient Universities
4. आधुनिक युग में स्वामी दयानंद और गुरुकुल आंदोलन
   Swami Dayananda and Gurukul Movement in Modern Times
5. उपनिषदों में शिक्षा दर्शन
   Educational Philosophy in the Upanishads
6. वेदों की समसामयिक प्रासंगिकता
   Contemporary Relevance of the Vedas
7. न्यायशास्त्र और तर्कशास्त्र की आधुनिक भूमिका
   Role of Nyaya and Logic Today
8. व्याकरण शास्त्र और संस्कृत शिक्षण
   Vyakarana Shastra and Sanskrit Teaching
9. मीमांसा दर्शन: एक मूल्याधारित दृष्टिकोण
   Mimamsa Philosophy: A Value-Based View

10. शास्त्र शिक्षा और व्यक्तित्व विकास
    Shastra Education and Personality Development
11. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में गुरुकुलों की भूमिका
    Role of Gurukuls in NEP 2020
12. पारंपरिक शिक्षा और NEP का समावेश
    Traditional Education and NEP Integration
13. गुरुकुलों का औपचारिक शिक्षा में एकीकरण
    Integrating Gurukuls into Formal Education
14. NEP के अंतर्गत भारतीय ज्ञान प्रणाली
    Indian Knowledge Systems under NEP
15. शास्त्र शिक्षा के लिए नीति आधारित योजनाएं
    Policy-Based Frameworks for Shastra Studies
16. आधुनिक शिक्षा बनाम गुरुकुल शिक्षा
    Modern vs. Gurukul Education
17. डिजिटल युग में गुरुकुलों की भूमिका
    Gurukuls in the Digital Era
18. शास्त्र शिक्षा और रोजगार की चुनौतियाँ
    Shastra Studies and Employment Challenges
19. गुरुकुलों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उपाय
    Ensuring Quality in Gurukuls
20. गुरुकुलों के लिए संसाधन और नीति की आवश्यकता
    Resource and Policy Needs for Gurukuls
21. गुरुकुल शिक्षा हेतु आदर्श पाठ्यक्रम
    Ideal Curriculum for Gurukul Education
22. मूल्य आधारित शिक्षा प्रणाली
    Value-Based Education System
23. योग और आयुर्वेद का समावेश
    Inclusion of Yoga and Ayurveda
24. शिक्षक प्रशिक्षण प्रणाली
    Teacher Training for Gurukul Educators
25. जीवन-कौशल और शास्त्र शिक्षा
    Life Skills through Shastra Education
26. गुरु-शिष्य संबंध की प्रासंगिकता
    Relevance of Guru-Shishya Bond
27. गुरु-शिष्य परंपरा का सामाजिक प्रभाव
    Social Impact of Guru-Shishya Tradition
28. गुरुकुलों में अनुशासन और संयम
    Discipline in Gurukuls
29. नेतृत्व विकास और नैतिकता
    Leadership and Ethics through Gurukuls
30. गुरु की भूमिका: प्रेरणा और आदर्श
    Role of the Guru: Inspiration and Idealism
31. सांस्कृतिक पुनर्जागरण में गुरुकुलों की भूमिका
    Cultural Renaissance through Gurukuls
32. गुरुकुलों में संस्कार शिक्षा
    Value Education in Gurukuls

33. भारतीय जीवनशैली का प्रचार
    Propagation of Indian Lifestyle
34. कला, संगीत और नाट्यशिक्षा
    Education of Arts, Music & Drama in Gurukuls
35. पर्यावरण शिक्षा और गुरुकुल जीवन
    Environmental Awareness through Gurukuls
36. डिजिटल गुरुकुल की अवधारणा
    Concept of Digital Gurukul
37. शास्त्र शिक्षा में तकनीकी उपकरणों का उपयोग
    Use of Technology in Shastra Education
38. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और संस्कृत शिक्षण
    AI and Sanskrit Teaching
39. ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म और गुरुकुल
    E-learning Platforms for Gurukul Education
40. गुरुकुल आधारित ऐप और ई-पाठ्यसामग्री
    Gurukul-Based Apps and E-Content
41. पश्चिमी शिक्षा बनाम भारतीय गुरुकुल पद्धति
    Western Education vs. Indian Gurukul System
42. कॉन्वेंट बनाम गुरुकुल शिक्षा
    Convent vs. Gurukul Education
43. प्राचीन और आधुनिक लॉजिक का तुलनात्मक अध्ययन
    Comparative Study of Ancient and Modern Logic
44. वेदांत और आधुनिक दर्शन
    Vedanta and Modern Philosophy
45. मदरसा बनाम गुरुकुल प्रणाली
    Madrasa vs. Gurukul System
46. समकालीन गुरुकुलों का विश्लेषण
    Study of Contemporary Gurukuls
47. क्षेत्रीय गुरुकुल परंपराएँ: उत्तर भारत
    Regional Gurukuls: North India
48. केरल एवं कर्नाटक के गुरुकुल मॉडल
    Gurukul Models of Kerala & Karnataka
49. चतुर्वेदी गुरुकुलों की विशेषताएँ
    Features of Chaturvedi Gurukuls
50. व्यक्तिगत अनुभव आधारित अध्ययन
    Experiential Case Studies in Gurukul Education
51. गुरुकुलों के लिए राष्ट्रीय मानक निर्धारण
    National Standardization Framework for Gurukuls
52. शास्त्रशिक्षण को UGC/NAAC ढांचे में लाना
    Integrating Shastra Education into UGC/NAAC Frameworks
53. संस्कृत विश्वविद्यालयों में गुरुकुल एकीकरण
    Integration of Gurukuls into Sanskrit Universities
54. निजी एवं सरकारी सहायता प्राप्त गुरुकुल नीति
    Policy for Private and Government-Aided Gurukuls
55. पारंपरिक शिक्षा संस्थानों के लिए बजट नीति
    Budget Policies for Traditional Educational Institutions

56. शास्त्रों का आधुनिक भाषाओं में अनुवाद
Translation of Shastras into Modern Languages
57. गुरुकुलों में द्विभाषिक शिक्षा
Bilingual Education in Gurukuls
58. लुप्त शास्त्र ग्रंथों का संरक्षण
Preservation of Lost Shastric Texts
59. लिप्यंतरण तकनीकों का उपयोग
Use of Transliteration Techniques
60. भाषायी विविधता और शास्त्र शिक्षा
Linguistic Diversity and Shastra Education
61. ग्रामीण विकास में गुरुकुलों की भूमिका
Role of Gurukuls in Rural Development
62. जनजातीय क्षेत्रों में गुरुकुल शिक्षा
Gurukul Education in Tribal Areas
63. महिला शिक्षा और गुरुकुल परंपरा
Women's Education and the Gurukul Tradition
64. गुरुकुल आधारित सामाजिक सुधार आंदोलन
Gurukul-Based Social Reform Movements
65. शास्त्र शिक्षा और सामाजिक न्याय
Shastra Education and Social Justice
66. इंटर्नशिप आधारित गुरुकुल शिक्षा मॉडल
Internship-Based Gurukul Education Model
67. प्रोजेक्ट-आधारित शास्त्र अध्ययन
Project-Based Study of Shastras
68. MOOC एवं e-Gurukul प्लेटफ़ॉर्म
MOOCs and e-Gurukul Platforms
69. संस्कृत Chatbots द्वारा शास्त्र शिक्षा
Shastra Teaching via Sanskrit Chatbots
70. गुरुकुल आधारित रिसर्च लैब की परिकल्पना
Conceptualizing Gurukul-Based Research Labs

- **अपेक्षित परिणाम: Expected outcomes**

- शास्त्र शिक्षा की महत्ता पर जन-जागरूकता का प्रसार।
- गुरुकुलों के पुनरुद्धार हेतु ठोस प्रस्ताव एवं सुझावों का संकलन।
- पारंपरिक एवं समकालीन शिक्षा के समन्वय की दिशा में ठोस नीति-निर्माण।
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत गुरुकुलों के स्थान की पुनर्परिभाषा।

Prize पुरस्कार

- उत्तम प्रस्तुति के आधार पर **छात्र संगोष्ठी** में चयनित **पाँच छात्रों** को **₹1000 प्रत्येक** के **5 पुरस्कार** प्रदान किए जाएंगे।
- इसी प्रकार, **विद्वद् संगोष्ठी** में प्रतिभाग करने वाले प्रतिभागियों में से चयनित **पाँच विद्वानों** को भी **₹1000 प्रत्येक** के **5 पुरस्कार** प्रदान किए जाएंगे।

- इस प्रकार कुल **10 पुरस्कार**, प्रत्येक ₹1000 के, प्रदान किए जाएंगे।

- Based on outstanding presentation, **five students** selected from the **Student Seminar** will be awarded **five prizes of ₹1000 each**.
- Similarly, **five participants** selected from the **Scholar Seminar** will also be awarded **five prizes of ₹1000 each**.
- Thus, a total of **10 prizes**, each worth **₹1000**, will be awarded.

संगोष्ठी में भाग ग्रहण करने हेतु नियम

प्रस्ताव/शोध-पत्र आमंत्रण:सभी प्रतिभागियों से उपरोक्त विषयों पर शोध-पत्र/लेख आमंत्रित हैं। चयनित लेख संगोष्ठी-स्मारिका में प्रकाशित किए जाएंगे। संपर्क करें: ☞ **मोबाइल:** 7979882977

☞ **ईमेल:** Gurukulamdevprayag@gmail.com

☞ **वेबसाइट:** https://www.csu-devprayag.edu.in

☞ व्हाट्सएप ग्रुप लिंक: click on the link to join the whats app group

- संगोष्ठी छात्र संगोष्ठी एवं विद्वद् संगोष्ठी दो वर्गों में विभाजित होगी । छात्र संगोष्ठी में परिसर के सभी छात्र ऑफलाइन माध्यम से भाग ले सकेंगे ।
- The seminar will be divided into two categories - Student Seminar and Scholar Seminar. All the students of the campus will be able to participate in the student seminar through offline medium.
- छात्रों से पंजीकरण शुल्क ₹50 लिया जाएगा। उन्हें पत्र वाचन का अवसर एवं प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा
- Registration fee of ₹50 will be charged from the students. They will also be given the opportunity to read the paper and a certificate.
- अन्य ऑफलाइन माध्यम से भाग लेने वाले शोध छात्रों को ₹100 तथा अध्यापकों को ₹200 पंजीकरण शुल्क देना होगा ।
- Research students participating through other offline medium will have to pay ₹100 and teachers will have to pay ₹200 registration fee.
- भोजन आवास व्यवस्था के साथ भाग लेने वाले बाह्य प्रतिभागियों को ₹1000 पंजीकरण शुल्क देना होगा ।
- External participants participating with food and accommodation arrangements will have to pay a registration fee of ₹1000.
- Participants have to bear their own travel expenses.
- ऑनलाइन पत्र वाचन सत्र भी आयोजित होंगे , इसके लिए 1100 शुल्क निर्धारित है । श्रावणी उपाकर्म कार्यक्रम वेद विभाग के द्वारा आयोजित किया जाएगा ।
- Online paper reading sessions will also be organized, for which a fee of Rs 1100 is fixed.

वसुधैव कुटुम्बकम् ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर

विकसित भारत अभियान 1947 TO 2047

Venue -Central Sanskrit University, Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag

Registration and QR code of fee (पंजीकरण एवं शुल्क का क्यूआर कोड)

QR Code for Registration Click Here	QR code to join whatsapp Group Click Here	QR code for fee payament KINDLY SCAN THIS
	Gurukulam Seminar Devprayag WhatsApp group	Merchant Name : STUDENT FUND SHRI RAGHUNA UPI ID : studentfund@sbi

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

पंजीकरण शुल्क तालिका / Registration Fee Table

क्रमांक	प्रतिभागी का वर्ग / Category of Participant	माध्यम / Mode	शुल्क ₹ में / Fee in ₹	अन्य सुविधाएँ / Additional Information
1.	छात्र (केवल परिसर के) / Campus Students	ऑफलाइन / Offline	₹50	पत्र वाचन का अवसर एवं प्रमाण पत्र Paper presentation opportunity and certificate
2.	शोध छात्र / Research Scholars (internal+External)	ऑफलाइन / Offline	₹100	पत्र वाचन का अवसर एवं प्रमाण पत्र Paper presentation opportunity and certificate
3.	शिक्षक / Teachers (External)	ऑफलाइन / Offline	₹200	पत्र वाचन का अवसर एवं प्रमाण पत्र Paper presentation opportunity and certificate
4.	बाह्य प्रतिभागी (भोजन एवं आवास सहित) / External Participants (with food & accommodation for 2 days only)	ऑफलाइन / Offline	₹1000	भोजन एवं आवास की व्यवस्था सम्मिलित Includes food and accommodation for two days only
5.	ऑनलाइन पत्रवाचन प्रतिभागी / Online Paper Presenters	ऑनलाइन / Online	₹1100	पत्र वाचन का अवसर एवं प्रमाण पत्र Paper presentation opportunity and certificate

- Late fee of 300 will be charged after due date registration

- **यात्रा व्यय प्रतिभागियों को स्वयं वहन करना होगा।**

भेजने से पहले कृपया ध्यान दें-

1. सभी अनुलग्नक को एक ही ईमेल में संयोजित करें।
2. शोध पत्र एवं शोध सारांश के ऊपर ,शोध पत्र का शीर्षक , नाम, विभाग नाम , संस्था नाम, ईमेल आईडी , मोबाइल नंबर जरूर टाइप करें।
3. संदर्भ ग्रंथ सूची को व्यवस्थित करें। संदर्भ ग्रंथ सूची में लेखक का नाम, पुस्तक का नाम,प्रकाशक प्रकाशन वर्ष, संस्करण एवं पेज नंबर जहां से आप कोट कर रहे हैं का संदर्भ लिखें।
4. चयनित शोध पत्रों को ISBN नंबर के साथ संपादित पुस्तक में प्रकाशित किया जाएगा।

- सेमिनार में पत्र वाचन कर भाग लेने वालों को प्रमाणपत्र प्रदान किये जायेंगे।
- संगोष्ठी का माध्यम प्रतिभागियों की इच्छानुसार संस्कृत / हिन्दी होगा। अंग्रेजी भाषा में शोध पत्र भेज सकते हैं किंतु प्रस्तुतीकरण हिंदी अनुवाद के साथ करना होगा।

- कृपया ऑनलाइन पंजीकरण करके टंकित शोध पत्र एवं निम्नलिखित दिनांक 05.08.2025 से पहले ईमेल Gurukulamdevprayag@gmail.com पर भेजें।

  1. शोध पत्र का सारांश (in 100 Words) - doc file- Unicode, font size -16
  2. संपूर्ण शोध पत्र (word) - doc file- Unicode ,font size -16
  3. शोध पत्र का सारांश (PDF)
  4. संपूर्ण शोध पत्र (PDF)
  5. फोटो एवं हस्ताक्षर से युक्त पूरित पंजीकरण पत्र
  6. जमा की गई फीस की राशि का स्क्रीनशॉट
  7. शैक्षणिक संस्था का पहचान पत्र (I- Card)

- अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट www.csu-devprayag.edu.in देखें।

Conclusion: निष्कर्ष

यह संगोष्ठी एक ऐसा मंच प्रदान करेगी, जिससे गुरुकुल प्रणाली और शास्त्र शिक्षा के गहन एवं प्रायोगिक पक्षों पर विचार किया जा सकेगा। यह प्रयास नई शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप एक प्राचीन लेकिन प्रासंगिक परंपरा को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम होगा।

आइए, मिलकर भारतीय शास्त्र शिक्षा की पुनर्परिभाषा और गुरुकुल परंपरा के नवजागरण की दिशा में सार्थक संवाद स्थापित करें।

डॉ.सच्चिदानंद स्नेही
संयोजक
सह - प्राध्यापक
दर्शनशास्त्र विभाग

(प्रो. पी.वी.बी. सुब्रमण्यम्)
निदेशक

Sincerely,

Dr.Sachchidanand Snehi
Convenor
Associate Professor
Department of Philosophy

(Prof. P.V.B. Subrahmanyam)
Director

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

Central Sanskrit University

Shri Raghunath Kirti Campus

Devprayag, District Pauri Garhwal , Uttrakhand

" Reviving the Gurukul System for the Preservation of Shastra-Based Education: In the Light of the National Education Policy 2020 "

" शास्त्राधारित शिक्षा परंपरा के संरक्षण हेतु गुरुकुल प्रणाली के पुनरुत्थान की आवश्यकता : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में "

Registration Form

Kindly Paste photo

1. Name (In English) :
2. (In Hindi Devnagari Script)
3. Fathers Name :
4. Date of Birth :
5. GEN/ST/SC/OBC/PH :
6. Whatsapp No. :
7. Email ID :
8. Gender (Male/female/Others) :
9. Present Occupation/Designation :
10. Name of the Department :
11. Institutional Address :
12. Home Address :
13. Class (if Student) :
14. Qualification :
15. Area of Specialization :
16. Teaching/Research experience :
17. Add ID Proof (Institutional I card) :
18. Topic of Research Paper :

Signature of the Applicant

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर
विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

SBI

Merchant Name : STUDENT FUND SHRI RAGHUNA

UPI ID : studentfund@sbi

BHIM
BHARAT INTERFACE FOR MONEY

UPI
UNIFIED PAYMENTS INTERFACE

G20
भारत 2023 INDIA

वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

वसुधैव कुटुम्बकम्
ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047